



सत्यमेव जयते

भारत सरकार
Government of India

भौगोलिक उपदर्शन पत्रिका

GEOGRAPHICAL INDICATIONS JOURNAL



बौद्धिक सम्पदा
भारत
**INTELLECTUAL
PROPERTY INDIA**

भौगोलिक उपदर्शन पंजीकृति,
बौद्धिक सम्पदा अधिकार भवन,
जी.एस.टी. रोड, गिण्डी,
चेन्नै - ६०० ०३२.

**Geographical Indications Registry,
Intellectual Property Rights Building,
G.S.T. Road, Guindy, Chennai - 600 032.**



GOVERNMENT OF INDIA

**GEOGRAPHICAL INDICATIONS
JOURNAL NO.19**

OCTOBER , 2007/ JYAISTHA-11, 1929

आधिकारिक सूचनाएँ

विषय : भौगोलिक उपदर्शन माल (पंजीकरण और संरक्षण) नियम 2002 के नियम 41(1) के अधीन यह सूचित किया जाता है।

1. नियम 41(1) के आवश्यकता के अनुसार, यह सूचित किया जाता है कि जून 1 2007 /—ज्यैष्ठ 11 1929 दिनांकित भौगोलिक उपदर्शन पत्रिका का संस्करण संख्या 18, अगस्त 3 2007 से जनता को उपलब्ध कराया जाता है।

OFFICIAL NOTICES

Sub: Notice is given under Rule 41(1) of Geographical Indications of goods (Registration & Protection) Rules 2002.

1. As per the requirement of Rule 41(1), it is informed that the issue No.19 of the Geographical Indication Journal dated 1st October 2007 / Jyaistha-11, Saka 1929 has been made available to the public from 3rd October 2007.

जी.आई.-आवेदन संख्या- 50

यह अर्जी इलाहाबाद सुरखा अमरूद उत्पादक कल्याण संघ, इलाहाबाद बंगाराबाद, बारमोली जनपद इलाहाबाद, भारत ने भेजी है। इलाहाबाद सुरखा के पंजी के भाग 'अ' में और उस पंजी के अर्जी अंक 50 में पंजीकृत करने के लिए अर्जी भेजी गई है। वर्ग 31 के अंतर्गत आने वाले चित्रकारी भौगोलिक माल उपदर्शन (पंजीकृत और बचाव) विधि, 1999 के भाग 13 के उपभाग (1) में स्वीकार करने हेतु विज्ञापन यहाँ दिया गया है।

आवेदक का नाम : इलाहाबाद सुरखा अमरूद उत्पादक कल्याण संघ,
इलाहाबाद
पता : बंगाराबाद, बारमोली जनपद इलाहाबाद, भारत

भौगोलिक उपदर्शन : इलाहाबाद सुरखा अमरूद
वर्ग : 31
माल: अमरूद फल

G.I. – APPLICATION NUMBER 50

Application is made by Allahabadi Surkha A mrood Utpadak Welfare Association-Allahabad Bankarabad, Bamroli Janpath, Allahabad India for registration in Part A under Application No 50 in respect of Allahabad Surkha Guava falling under Class 31 is hereby advertised as accepted under sub-section (1) of section 13 of Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999.

Applicant : Allahabadi Surkha A mrood Utpadak Welfare Association-Allahabad.

Address : Bankarabad,
Bamroli Janpath, Allahabad

Geographical Indication : **Allahabad Surkha Guava**

Class : 31

Goods : Guava fruits

(क) आवेदक का नाम : इलाहाबाद सुरखा अमरूद उत्पादक कल्याण संघ,
इलाहाबाद

(ख) पता : बंगाराबाद, बारमोली जनपद इलाहाबाद, भारत

(ग) व्यक्ति /उत्पादक/ संगठन / मांगे जाने पर दिये जायेगा
प्राधिकार संघ की सूचि:

(घ) मालों का वर्ग : कृषि उत्पाद

(ङ) निर्दिष्टिकरण :

पौधा : प्रबल, गुंबदाकार, छोटे बहुत से फोलियेज के साथ

पत्ता : लेमिना बड़ा 12.5 सेमी 6.2 सेमी. पत्ता का डंठल 1.3 सेमी, गहरा
एलीप्टिकल पूरे में शिराएँ होती है ।

फूल : पेडिसेल 1.75 सेमी. कली, 1.6सेमी. 1.1 सेमी. बृताकार, फूल
उत्पन्न होते हैं । फूल हल्के तरह के जन्म लेते हैं।

फल : बड़ा, दोनों छोरों में हल्के धंसे हुए, छिलके मोटे , एक जैसा गुलाबी रंग ,
गुदा मोटा , सफेद कभी कभी गहरा गुलाबी सुंगंध तथा अरोमा साथ बंधुत
ही मीठा ।

(A) Name of the Applicant : Allahabadi Surkha A mrood Utpadak
Welfare Association- Allahabad

(B) Address : Bankarabad, Bamroli Janpath,
Allahabad.

(C) List of association of persons /

Producers / organization / Authority : To be provided on request

(D) Type of goods : Agricultural product

(E) Specification

Plant : vigorous, dome-shaped, compact with
abundant Foliage.

Leaf : Lamina large, 12,5 cm * 6.2 cm, petiole
1.3 cm, Dark green, elliptical, margin entire.

Flower : Pedicel 1.75 cm buds 1.6 cm and 1.1 cm
in diameter. Flowers borne signally or in a
cyme.

Fruit: Large, slightly depressed at both ends; skin
thin, of Uniform pink colour; flesh thick,
whitish sometimes Pink, sweet with a
pleasant smell and aroma.

(च) भौगोलिक उपदर्शन के नाम (और विवरण) :

प्रख्यात सेव के रंग का अमरूद, की तरह का इलाहाबाद सुरेखा , इलाहाबाद के अबूबकारपुर में बीज को उत्पन्न हुई । इलाहाबाद सुरेखा अमरूद को अमरूद बेल्ट से चुन लिया गया है । एक चार का बीज सुलेमसराय गांव में पाया गया ।

(छ) माल का वर्णन :

पौधे का गुण तथा रासायन

:

विविधता	औसत	आकार	बीजो और फलो की संख्या	छटे साल में उत्पन्न (किलो/पेड़)	टी एस एस (%)	अम्लत्व	पी एच	कुल मिठास (%)	विटामिन मिली/ग्राम
इलाहाबाद सुरेखा	200	7.20	280	120	13.75	0.40	3.5	10.2	150

(F) Name of the Geographical Indication (and particulars)

The famous 'Apple-coloured guava', variety Allahabad Surkha has originated as chance seedling in the village Abubakkarpur, Allahabad. Allahabad Surkha guava was selected from the guava belt. A4 year seedling was spotted in the village Sulemsarai.

(G) Description of Goods:

The morphological characteristics of the plant and chemical

Constituents of the fruits are as follows; -

Variety	Average weight (g)	Size (cm)	No. of seed/ fruit	Yield in 6 th year (kg/tree)	TSS (%)	Acidity	PH	Total sugar (%)	Vitamin C (mg/100 g)
Allahabad Surkha	200	7.20	280	120	13.75	0.40	3.5	10.2	150

(H) Geographical area of production and map as shown in page. no - 64

Villages of Chail, Muratganj, Newada, Manjhanpur blocks of Allahabad District

(ज) उत्पादन का भौगोलिक क्षेत्र और नक्शा

इलाहाबाद जिला के चेइल, मुराटगंज, नेवादा , मुझनपुर गांव आदि

ब्लाक	अधिकृत क्षेत्र	क्षेत्र (हेक्ट)	औसत उत्पादन क्वीटल प्रतिवर्ष
कौरिहर 11 (चेइल क्षेत्र))	बाकरबाद	8.5	
	बेगमबाजार	7.0	
	बमराउली	3.0	
	मकानपुर	5.0	
	जन्का	2.0	
	कुल	25.5	4190
फूलपुर	कोरापुर	2.0	
	अन्य	1.5	445
	कुल	3.5	

इलाहाबाद सुरेखा अमरुद खुशांबी का क्षेत्र

ब्लाक	आने वाला क्षेत्र	क्षेत्र (हेक्ट)	औसत उत्पादन क्वीटल प्रति वर्ष
चेइल	मनोरी	1.5	
	चिलासाहबाजी	5.0	
	चारवा	2.5	

Area Under Allahabad Surkha Guava

Block	Villages Covered	Area (ha.)	Avg. Production (qtl per yr.)
Kaurihar 11 (Chail Area)	Bakrabad	8.5	
	Begambazar	7.0	
	Bamraulli	3.0	
	Makanpur	5.0	
	Janka	2.0	
	Total	25.5	4190
Phulpur	Korapur	2.0	
	Others	1.5	
	Total	3.5	445

Area Under Allahabad Surkha Guava Kaushambi

	सुदवार	1.5	
	विहिका	2.0	
	कोयलाहा	5.0	
	फतेहपुर	4.0	
	पुरामुफती	3.5	
	कुल	25.0	4155

ब्लाक	अंतर्गत आने वाले गांव	क्षेत्र(हेक्ट)	औसत उत्पादन (क्वींटल प्रतिवर्ष)
मुराटगंज	महगव	5.0	
	सयद	6.0	
	गौसपुर	3.0	
	भिटटी	2.5	
	पट्टीनारवार	1.5	
	श्रोही	1.0	
	कुल	19.0	3158

Block	Villages Covered	Area (ha.)	Avg.Production (qtl per yr.)
Chail	Manauri	1.5	
	Chillasahbhaji	5.0	
	Charwa	2.5	
	Sudhwar	1.5	
	Bihika	2.0	
	Koilaha	5.0	
	Fatehpur	4.0	
	Puramufti	3.5	
	Total	25.0	4155

थसरातु	गाजीकापुरा	4.0	
	कोखराज	2.5	
	कसिया	1.5	
	कुल	8.0	1330
नवेदा	बरेटी	4.5	
	छुलापुर	5.5	
	मिन्हाजपुर	2.0	
	कुल	12.0	1994

इलाहाबाद सुरेखा अमरूद के अंतर्गत आनेवाला कुल क्षेत्र : 93 हेक्टर,

औसत उत्पादन : 15182 (क्वीटल प्रति वर्ष)

इलाहाबाद का भौगोलिक क्षेत्र 7261 वर्ग किलोमीटर 24°47' 25°47' (अक्षांश) तथा 81°19' और 81°21' (देशांतर) में है ।

(इ) उत्पत्ति का सबूत (ऐतिहासिक) :

अमरूद (सीडियम अमरूद फल), उष्ण कटिबंधिय अमेरिका उत्पन्न हुआ है, यह भारत का सबसे प्रचलित फल है, विशेषकर उतर भारत के सममतल क्षेत्र का । उतर प्रदेश के, इलाहाबाद क्षेत्र में ही उत्तम गुणवता के अमरूद उगाने की विशिष्टता है । सुरेखा अपरूद का विशिष्ट क्षेत्र दो नदियों के बीच में हैं, ये नदियाँ यमूना और गंगा है , जो एक दूसरे के सामानांतर बहती है और जहाँ मिलती है, वहाँ त्रिकोण बनाती हैं । इलाहाबाद में यह मिलने वाला स्थान संगम कहलाता है । यहाँ की विशिष्ट जलवायु के कारण ही इस फल का रंग लाल है । स्थानीय पुराने किसान ने बहुत कहानियाँ बताई है । संगम से लगे क्षेत्र में बहुत से रंग हैं ।

Block	Village Covered	Area (ha.)	Avg.Production (qtl per yr.)
Muratganj	Mahgav	5.0	
	Sayed Sarwa	6.0	
	Gauspur	3.0	
	Bhiti	2.5	
	Pattinarwar	1.5	
	Rohi	1.0	
	Total	19.0	3158
Sirathu	Gajikapura	4.0	
	Kokhraj	2.5	
	Kasiya	1.5	
	Total	8.0	1330
Newada	Barethi	4.5	
	Dulapur	5.5	
	Minhajpur	2.0	
Total	12.0	1994	

Total area under Allahabad Surkha Guava : 93 ha., Average production: 15182 qtl per yr.

Allahabad Geographical Area 7 261 sq.km situated at 24° 47' and 25° 47' (Latitude) and 81°19' and 81°21' (Longitude)

जिनस सिडियम, मिटरासे परिवार की 150 जातियाँ है। इनमें से बहुत के बारे में बहुत ही सीमित जानकारी ज्ञात है। बीजों के चुनाव के द्वारा इलाहाबाद के विभिन्न भागों में बहुत प्रख्यात जाति 'इलाहाबाद सुरेखा' की खेती की जाती है। अनेक बीजों (250-500) की मौजूदगी ही इसका गुण है।

गुवावा ऑरचार्ड इलाहाबाद जिला (इसका भाग अब कुशांमी) 1995-97 के दौरान सर्वेक्षण किया गया। जिससे कि इसके जर्म प्लाज्म का प्रयोग किसान अपने खेत में कर सके। बीज में पूरे पौधे को संभालने और उगाने का सामान है। पौधे और फल के गुण में प्रचूर जेनेटिक विभिन्नता व्याप्त है। मेसो कार्प तथा एक्सोकार्प का अलग अलग रंग आम बात है। फल का भीतरी भाग गहरा गुलाबी मेरून या आधे गुलाबी होते हैं और मेसोकार्प गहरे और हल्के गुलाबी सुनहरे पीले और सफेद रंग का देखा गया। फल 15 तरह की संख्या में गुच्छे में उगते हैं और उनका प्रत्येक का भार 150 ग्राम है।

विकास में नमी तथा ठंडक की सहनशीलता का बहुत अधिक अंतर पड़ता है। पत्तियों में बहुत अधिक विविधता आती है।

ज) उत्पादन विधि

मिटटी

हल्के और भारी दोनों तरह की मिटटी में ये पौधे उगते हैं लेकिन अच्छी तरह से उपजाऊ मिटटी उचित विकास का साथ देते हैं। पौधे हल्के अलकलाइन मिटटी में अच्छी तरह बढ़ते हैं।

पौधा लगाना

6मी. x 6मी. गडढे में 60 से.मी. गहरा मुंह वाले गडढे में पौधे को गाड़ दिया जाता है। गडढे में 8-10 किग्रा अच्छी तरह सड़े हुए उर्वरक मिटटी भरा जाता है।

(I) Proof of origin [Historical records]

Guava (*Psidium guajava* L.), a native to tropical America, is exceedingly well-known fruit in India, particularly in plain regions of Northern India. In Uttar Pradesh, Allahabad region has the distinction of producing best quality guavas. The specific area of known for surkha Guava is situated between two rivers i.e. Yamuna and Ganga flowing parallel together and at a point merged making a triangle. This merger point is known as sangam in Allahabad. It has distinct Agro climatic conditions, which are responsible to the red colour. The local old aged farmers have told number of stories. They say that the area adjacent to sangam point is having more colours.

The genus *Psidium*, family Myrtaceae, consists of about 150 species. Very limited information are available about most of them, the most popular species being *P.guajava*. 'Allahabad Surkha' cultivated in different parts of Allahabad is elite seedling selections. These are characterized by the presence of numerous seeds (250 – 500/fruit).

Guava orchards of Allahabad district (parts of it now Kaushambi) were surveyed during 1995-97 to utilize its gemplasm present in the farmers' fields. Seedlings constitute the entire planting material, Enormous genetic variability is available in morphological characters of plants and fruits. Fruits exocarp of deep pink, maroon or partially pink colours were spotted. The mesocarp of deep or light pink, shades of pink, golden-yellow and white were recorded. The exocarp and mesocarp of different colours were not uncommon. Fruits borne in cluster more than 15 in number weigh around 150g each.

There were sharp difference in growth habit, tolerance to moisture stress and cold. Enormous variability was recorded in leaf morphology with regard to their shape and size. In flowering habit there were no marked difference

जिसमें 120 -150 ग्राम सुपर फास्फेट और 150 ग्राम पोटैश का म्यूरियेट होता है । पौधे लगाने का उचित समय मानसून के वक्त, जो जुलाई और सितंबर में रहता है ।

प्रशिक्षण

तना को टूटने से बचाने के लिए छोटे पौधों को प्रशिक्षण देना बहुत आवश्यक है । परिवर्तित केंद्रिय नेता प्रशिक्षण ही इसके लिए बहुत उपयुक्त है । 4 से 6 डाल प्रत्येक दिशा में पर्याप्त स्थान में बढने के लिए छोड़ा जाता है । पेड़ की उंचाई कम हो इसके लिए सबसे निचले डाल की लंबाई 0.8से 1.0 तक ही होनी चाहिए ।

कटाई छटाई

वार्षिक कटाई छटाई नये विकास के आवश्यक है और साथ ही यह पौधे के ढांचे को बनाये रखता है । कटाई छटाई में रोगग्रस्त और टूटे डालों के साथ-साथ जड़ से उगने वाले चुसकों को भी हटाया जाना चाहिए । यह प्रत्येक उपज के बाद किया जाना चाहिए ।

मानसून अधिरोपण अच्छा है । क्योंकि इससे उपज अच्छी होती है । पैच-अधिरोपण तकनीक अधिक उपयोगी और सितंबर - अक्टूबर या मार्च -अप्रैल में एक साल पुराने तैयार लकड़ी से किया जाता है । सफलता 60-80 प्रतिशत तक मिलती है । प्रत्येक परिपक्व पेड़ (8-10साल) को 500-600 ग्राम नाइट्रोजन, 300से 350 ग्रा. 500से 600 ग्राम पोटेशियम प्रत्येक साल दो बार सितंबर से अक्टूबर तथा बचा हुआ फरवरी से मार्च में दिया जाता है । मार्च और अप्रैल के महीने 7 से 10 फार्म यार्ड खाद हर हेक्टर जमीन में है ।

सिंचाई

नवंबर के महीने में छोटे पौधे को सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है । अप्रैल और जून के महीने में 10 से 15 दिनों के अवकाश में सिंचाई आवश्यक है । परिपक्व पौधों

(J) Method of Production:

Soil

Though plants thrive well both in light and in heavy soils, well-drained fertile loams support ideal growth. The plants can withstand slightly alkaline soil water logging.

Planting

The plants should be planted at 6 m * 6m pits 60 cm deep a month before planting. The pits should be filled with 8-10 kg of well-decomposed farmyard manure, 120-150g super phosphate and 150 g muriate of potash. The best of planting is monsoon, which generally occur from July to September.

Training

In order to avoid limb breakage, training of the young plants is very important. Modified central leader training is well suited for this variety. Four to six branches, adequately spaced in each direction should be allowed to grow. The lower most branches should be at 0.8-1.0m from the soil surface to make the tree low-headed.

Pruning

Annual pruning is essential to encourage new growth and for maintaining the framework of the trees. The pruning should include the removal of dead diseased and broken branches and suckers arising from the rootstock and it should be done after each harvest.

Propagation

Grafting in monsoon is preferred since success is higher. Patch – budding, a technique more convenient, may be performed during September – October of March- April using a –year-old seasoned wood. Success is between 60 to 80 percent.

को अक्टूबर और जनवरी के बीच हर महीने सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है । फरवरी के बाद से बरसात तक सिंचाई को स्थागित कर दिया जाता है ।

कटाई -छंटाई

अक्टूबर के महीने के अंतिम सप्ताह से उपज की पैदावार शुरू हो जाती है और मार्च के महीने तक चलती है । कटाई के दौरान फसलों को नष्ट होने बचाने के लिए किसान लकड़ी के औजार का प्रयोग करते हैं । वे एक अमरूद को भी नष्ट नहीं होने देते ।

ट) अनोखापन

फल बड़ा, छिलका पतला, गुलाबी रंग का, गुदा मोटा, सफेद कभी-कभी गहरे गुलाबी रंग का मीठा और बहुत ही अच्छी खुशबु के साथ होता है ।

ठ) जाँच निकाय

1. डा. आनंद सिंह, विषय संबंधी विशेषज्ञ (बागवानी), केवी के कुसांबी ।
- 2- श्रीमान गौरी शंकर, पूर्व विभागाध्यक्ष (बागवानी), इलाहाबाद कृषि संस्थान (डिम्ड विश्वविद्यालय)
- 3- जिला बागवानी अधिकारी (डी. एच. ओ), इलाहाबाद
- 4- बागवानी शोध तथा प्रशिक्षण केंद्र अध्यक्ष (जी ओ यु पी) खुसरूबाग, इलाहाबाद
- 5- श्रीमान फजाल महम्मूद (अमरूद उगाने वाला) बेगम बाजार गांव , बामरउली कौदीहार, चायल ब्लॉक
- 6- श्रीमान एस. एन पांडेय (अमरूद उगानेवाले) बकाराबाद ग्राम, बारामल्ली

Nutrition

The non-bearing plants should be provided 40-60 g nitrogen, 30-40 g phosphorus and 40-60 g potash along with 8-10 kg of well-decomposed farmyard manure per-year age of the tree. They should be applied in two split doses September – October and February – March. Each adult tree (8-10 years old) should be given 500-600 g N, 300-350 g P₂O₅ and 500-600 g K₂O every year in two split doses: the first during September – October and the remaining half during February – March. In addition 7-10 tonnes of farmyard manure per hectare should be applied during March-April.

Irrigation

The young plants need one irrigation during November – March. However, during April-June an irrigation at an interval of 10-15 days is necessary. The adult plants need one irrigation per month from October to January. No irrigation should be given from February onwards to postpone a harvest in the rainy season.

Harvesting

Harvesting start from last weak of October and continue up to first fourth night of March month. Farmers are very much concern for minimizing the losses occurs during the harvesting thus they use wooden harvester. They don't even allow to be spoil single Guava.

(K) Uniqueness:

Fruit is Large, skin thin, of uniform pink colour; flesh thick, whitish occasionally deep pink, sweet with a pleasant smell and aroma

(L) Inspection Body:

1. Dr. Anand Singh, Subject Matter Specialist (Horticulture), KVK, Kausambi
2. Mr. Gauri Shanker Ex. Head of Department (Horticulture) Allahabad Agriculture Institute (Deemed University)
3. District Horticulture Officer (DHO), Allahabad
4. In charge Horticulture Experiment & training center (GOUP), Khusroobhagh, Allahabad.
5. Mr. Fazal Mehmood (Guava Grower) Village Begum Bazaar, Bamrauli Kaudihar, Chayal block.
6. Mr. S.N. Pandey (Guava Grower) Village Bakarabad, Bamrauli Kaudihar, Chayal block.
7. Dr. D.B. Singh, Head of Department Horticulture Allahabad Agriculture Institute (Deemed University)
8. Dr. (Mrs.) Pramila Gupta, Head Department of Plant Protection (Plant Pathology, Nematology and Entomology), Allahabad Agriculture Institute (Deemed University)

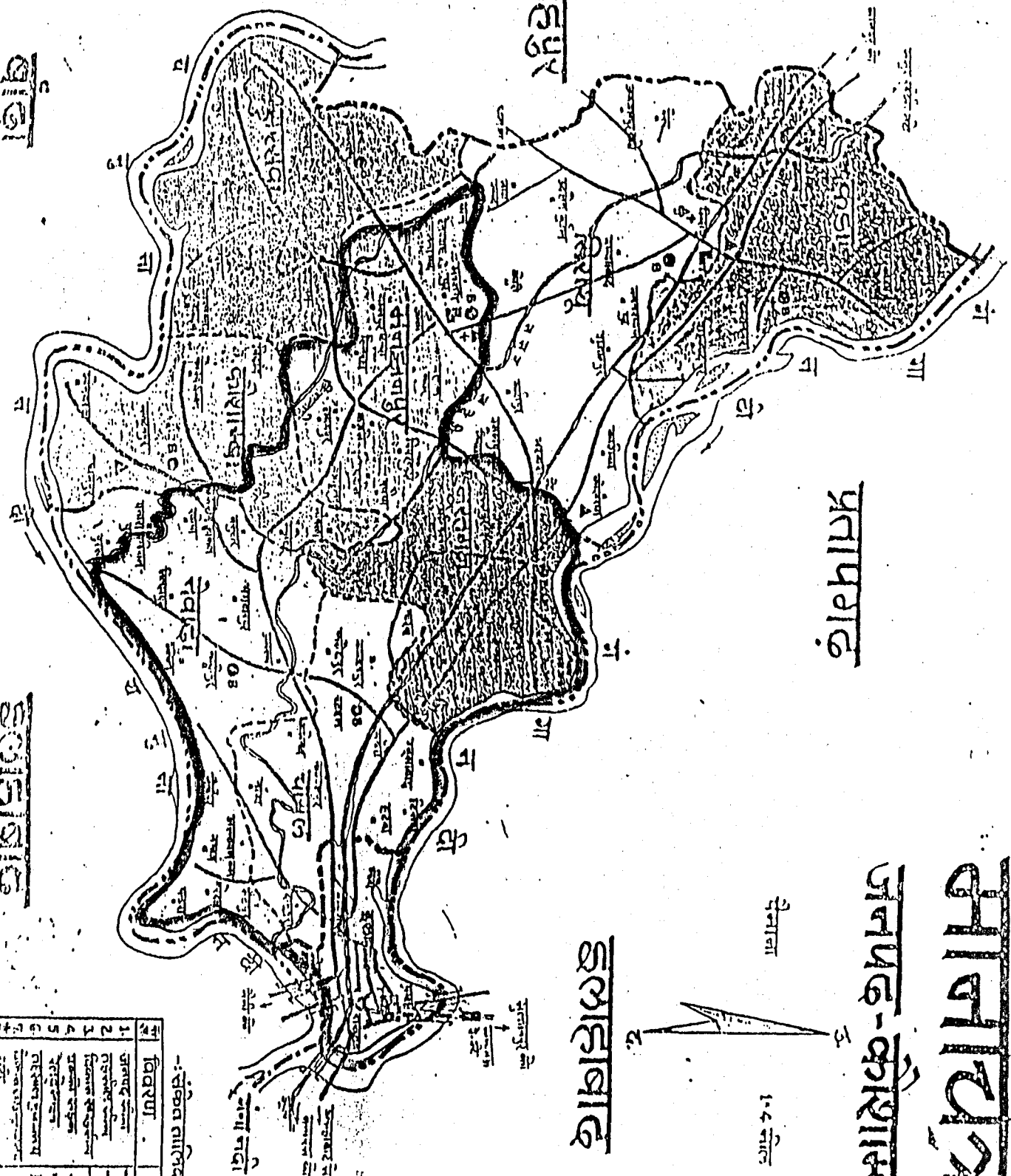
आजदिज

जनपद - कौशांबी

प्रतापगढ़

इलाहाबाद

फतेहपुर



दिशावा

1:4 काँठ

बल

सोपान

—संकेत तालिका—

क्र.	चिह्न	विवरण
1	—	राजपथ
2	—	राजपथ के किनारे
3	—	राजपथ के किनारे
4	—	राजपथ के किनारे
5	—	राजपथ के किनारे
6	—	राजपथ के किनारे
7	—	राजपथ के किनारे
8	—	राजपथ के किनारे
9	—	राजपथ के किनारे
10	—	राजपथ के किनारे